PARMAR SSC

SSC GK

SSC GK BATCH 2.0

Economics

Basics of Economics

Lecture :- 1

For Notes Join Telegram :

Click on the icon.

OR Scan

For Lectures Subscribe Our Parmar SSC Youtube Channel

Click on the icon.

OR Scan

अर्थशास्त्र

PARMAR SSC

मैक्रो इकॉनॉमिक्स
(समष्टि अर्थशास्त्र)

समष्टि अर्थशास्त्र मे समस्त आर्थिक क्रियाओ का संपूर्ण रूप से अध्ययन किया जाता है।
(राष्ट्रीय आय, उत्पादन, बेरोजगारी)

माइक्रो Economics
(सूक्ष्म अर्थशास्त्र)

सूक्ष्म/व्यष्टि अर्थशास्त्र मे व्यक्तिगत आय, व्यक्तिगत इकाइयो और व्यक्तिगत उत्पाद का अध्ययन किया जाता है।

अर्थव्यवस्था के 3 प्रकार :

1. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था
2. समाजवादी अर्थव्यवस्था
3. मिश्रित अर्थव्यवस्था

	पूंजीवादी	समाजवादी	मिश्रित
1. स्वामित्व	व्यक्तिगत (US)	सार्वजनिक (रूस) (सरकार)	दोनो (भारत)
2. आर्थिक उद्देश्य/मकसद	लाभ	समाज कल्याण	दोनो
3. सरकार की भूमिका	कोई भूमिका नही	पूरी भूमिका	सीमित भूमिका
4. आय का वितरण	असामान	समान	कम असमान
5. आर्थिक स्वतंत्रता	पूरी स्वतंत्रता	स्वतंत्रता की कमी	

PARMAR SSC

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र :

1. प्राथमिक क्षेत्र
2. द्वितीयक क्षेत्र
3. तृतीयक क्षेत्र

प्राथमिक क्षेत्र : सीधे तौर पर पर्यावरण पर भि निर्भर।

कृषि, मत्स्य पालन, पशुपालन, खनन

इसमे संलग्न श्रम की प्रकृति को रैड कॉलर जॉब के जरिये संकेतित किया जाता है।

द्वितीयक क्षेत्र : अर्थव्यवस्था का वह क्षेत्र जो प्राथमिक क्षेत्र के उत्पादो को अपनी गतिविधियो में कच्चे माल की तरह उपयोग करता है।

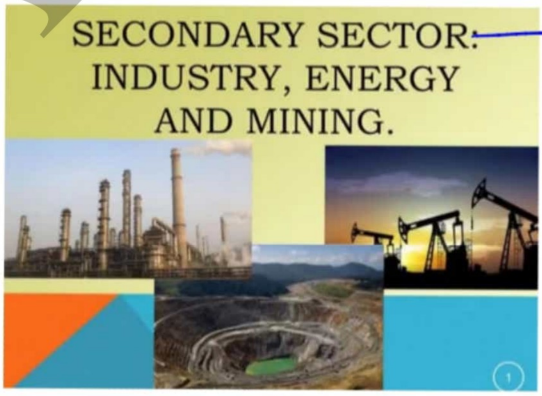

लोहा-इस्पात उद्योग, वस्त्र उद्योग, वाहन इलेक्ट्रॉनिक्स आदि

→ ब्लू कॉलर जॉब

→ देश की रीढ की हड्डी

तृतीयक क्षेत्र : 'सेवा क्षेत्र'

इस क्षेत्रक मे विभिन्न प्रकार की सेवाओ का ~~अध्ययन~~ उत्पादन किया जाता है।

जैसे - बीमा, बैंकिंग, चिकित्सा, शिक्षा, पर्यटन आदि।

→ white coller jobs

PARMAR SSC

चतुर्धातुक क्षेत्र: यह सरकार, संस्कृति, पुस्तकालयों, वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी बौद्धिक गतिविधियों पर आधारित है।

→ Knowledge Sector

क्विनरी क्षेत्र: ऐसी सेवाएँ जो नए और मौजूदा विचारों के निर्माण, पुनर्व्यवस्था और व्याख्या पर ध्यान केंद्रित करती है।

(राजनैतिक, वरिष्ठ व्यापार कार्यकारी)

→ Gold coller job

→ तृतीयक क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल राष्ट्रीय उत्पाद में सबसे अधिक योगदान करता है।

→ सबसे कम योगदान - प्राथमिक क्षेत्र

→ सबसे ज्यादा कार्यों मे संलग्न लोग - प्राथमिक क्षेत्रों मे

→ सबसे कम " " " - तृतीयक क्षेत्र

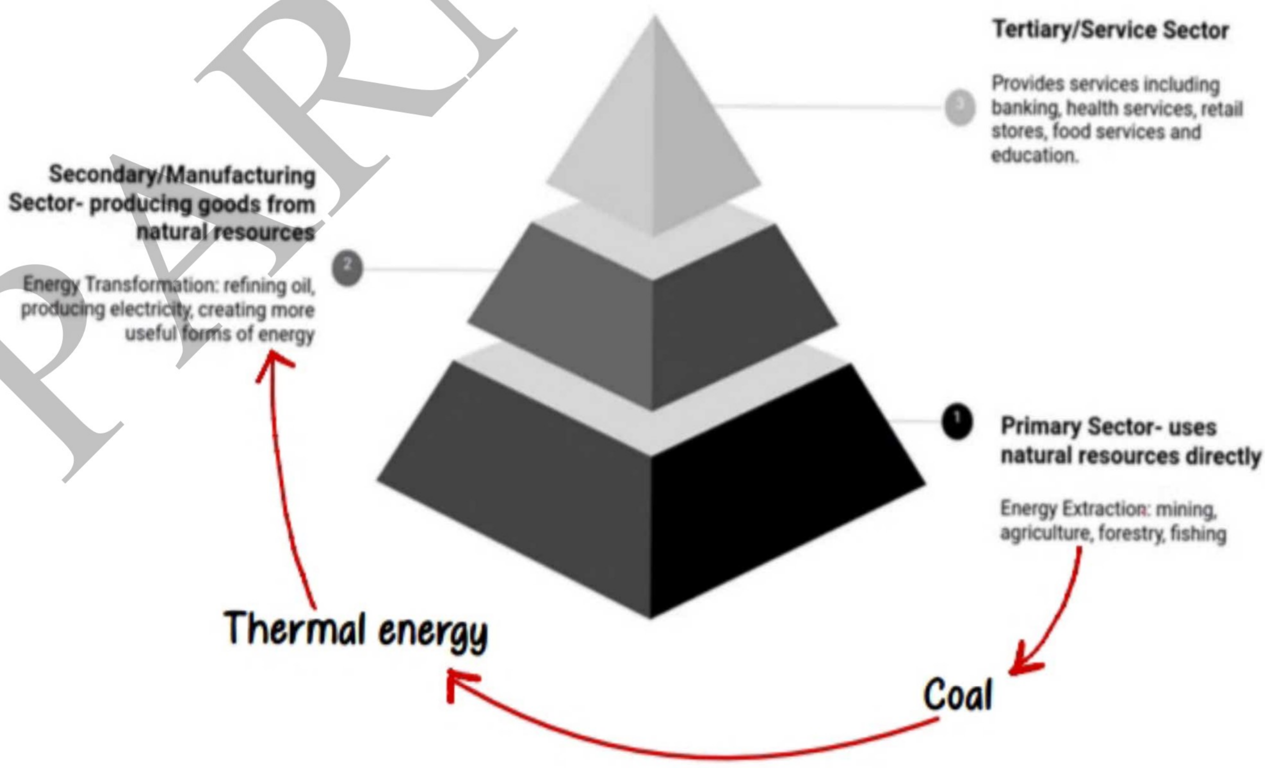

PARMAR SSC